कक्षा - आठवीं

VIII -

सूरदास के पद

1. बालक श्री कृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हैं?

बालक श्री कृष्ण अपनी चोटी बलराम भैया की तरह मोटी और लंबी बनाना चाहते हैं, इस लालच के कारण वे दूध पीने को तैयार हुए हैं।

2. श्री कृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे हैं?

श्री कृष्ण अपनी चोटी के विषय में सोच रहे हैं कि इतने दिनों से मैं कच्चा दूध पी रहा हूँ। फिर भी मेरी चोटी लंबी नहीं हुई। यह कब बढ़ेगी और नागिन की तरह दिखेगी

3. दूध की तुलना में श्री कृष्ण कौन से खाद्य पदार्थ को अधिक पसंद करते थे?

दूध की तुलना में श्री कृष्ण को माखन रोटी खाना अधिक पसंद था।

4. 'तैं ही पूत अनोखो जायो' पंक्ति में ग्वालन के मन के कौन से भाव मुखरित हो रहे हैं?

इन पंक्तियों के ग्वालन के मन के क्रोध एवं व्यंग्य के भाव मुखरित हो रहे हैं।

5. माखन चुराते समय और खाते समय श्री कृष्ण थोड़ा सा माखन बिखरा क्यों देते हैं?

माखन खाते समय जो माखन उन्हें अच्छा नहीं लगता है उसे नीचे गिरा देते हैं। दूसरा कारण यह था कि ग्वालन को लगे की माखन किसी जीव-जन्तु ने खाया है। इसलिए वे नीचे गिरा देते हैं।

भाषा की बात

(1) इनके लिए एक शब्द लिखिए -

(क) जो माखन चुराकर खाता है। — माखन-चोर
(ख) जो गिरि का धारण किया हो — गिरिधर
(ग) जो बंसी धारण करे - बंसीधर
(घ) जो मुरली बजाए - मुरलीधर

2.

(क) इनके पर्यायवाची शब्द लिखें-

चन्द्रमा - शशि, इंदु, राका, रजनीकांत
सूर्य - रवि, भानु, दिनकर, प्रभाकर
मधुकर - भ्रमर, भौंरा, मधुप
रात - रजनी, यामिनी, रात्रि
दिन - वार, दिवस,

(ख) विपरीतार्थक शब्द -

दिन × रात
श्वेत × श्याम
शीत × उष्ण
लघु × दीर्घ
प्रकृति × कृतिम
क्रय × विक्रय